**भारत सरकार**

मानव संसाधन विकास मंत्रालय

उच्चतर शिक्षा विभाग

**लोक सभा**

अतारांकित प्रश्न संख्या: 4581

उत्तर देने की तारीख: 22.07.2019

**विद्यार्थियों द्वारा अनुसंधान और विकास**
**(आरएंडडी) अपनाना**

4581. श्री एस॰आर॰ पार्थिबनः

क्या मानव संसाधन विकास मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार को इस बात की जानकारी है कि देश में विद्यार्थियों में आर एंड डी चुनने में भारी अनिच्छा है;
(ख) यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं;
(ग) क्या सरकार के पास अवर स्नातक/परास्नातक स्तर के बाद करियर के रूप में आर एंड डी चुनने वाले विद्यार्थियों के बारे में विदेशों/विदेशी विश्वविद्यालयों से कोई आंकड़ा है; और
(घ) सरकार द्वारा विद्यार्थियों को बड़े पैमाने पर आर एंड डी को आजिविका के विकल्प के रूप में अपनाने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए क्या कदम उठाए गए हैं?

**उत्तर**
**मानव संसाधन विकास मंत्री**
**(रमेश पोखरियाल 'निशंक')**

(क) से (घ): भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) और राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान (एनआईटी) जैसे प्रमुख संस्थानों से पूर्व स्नातक कार्यक्रम, सर्वाधिक मांग वाले शैक्षणिक कार्यक्रम होते हैं। तथापि, उनमें से केवल कुछ छात्र ही अपना बी.टेक पाठ्यक्रम पूरा करने के बाद अनुसंधान करने का विकल्प लेते हैं। इन मेधावी छात्रों को शोध हेतु आकर्षित करने के

लिए, भारत सरकार ने 2018 में प्रधानमंत्री अनुसंधान अध्येता (पीएमआरएफ) योजना शुरू की है जिसमें भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी), भारतीय विज्ञान शिक्षा और अनुसंधान संस्थान (आईआईएसईआर) और भारतीय विज्ञान संस्थान (आईआईएससी) के छात्रों को पीएच.डी में सीधे प्रवेश दिया जाता है, जिसके लिए रुपए 70,000/- से रुपए 80000 प्रति माह की आकर्षक अध्येतावृत्ति दी जाती है। इसके अलावा, अनुसंधान दस्तावेज प्रस्तुत करने के लिए चयनित अध्येताओं को 5 वर्ष की अवधि के लिए रुपए दो लाख प्रति वर्ष का शोध अनुदान दिया जाता है। इसमें और अधिक संशोधन कर, इस योजना को देश के सभी मान्यता प्राप्त संस्थाओं/विश्वविद्यालयों के पात्र छात्रों के लिए खोला गया है। अन्य पी.एचडी, कनिष्ठ अनुसंधान अध्येता (जेआरएफ) और वरिष्ठ अनुसंधान अध्येता (एसआरएफ) के लिए अध्येतावृत्ति/परिलब्धियों की दरों को 01 जनवरी 2019 से मौजूदा रुपए 25000 से रुपए 31000 और रुपए 28000 से रुपए 35000 प्रतिमाह संशोधित किया गया है। केंद्रीय वित्त पोषित तकनीकी संस्थान (सीएफटीआई) और अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद ( एआईसीटीई) के साथ संबंधन वाली संस्थाओं में एम. टेक कार्यक्रम करने वाले सभी छात्रों को रुपए 12,400 की मासिक अध्येतावृत्ति दी जाती है।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग ने पात्रता के अनुसार अनुसंधान एसोसिएट की परिलब्धियों की दरों को मौजूदा रू. 36000 से रूपए 47000, रुपए 38000 से रूपए 49000 और रुपए 40,000 से रुपए 54000 प्रतिमाह संशोधित कर दिया है। जहां तक अनुसंधान और विकास करने वाले विदेशी छात्रों का संबंध है, ऐसा कोई केंद्रीकृत डाटा नहीं रखा जाता है।

*****